www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-35 अंकः19-20 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-31 अक्टूबर 2025 पृष्ठ 12, (सयुक्तांक) मूल्यः20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

ट्रेन टू भूटान

भारत-भूटान संबंधों में नया अध्याय: 4033 करोड़ रुपये की दो रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत और भूटान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई देते हुए दो महत्वपूर्ण सीमा-पार रेल लिंक परियोजनाओं की स्थापना पर सहमति जताई है। कुल ₹4,033 करोड़ की लागत वाली इन परियोजनाओं का संपूर्ण निवेश भारत द्वारा किया जाएगा, जो पड़ोसी देश के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नई दिल्ली में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अ िनी वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं के माध्यम से भूटान के दो महत्वपूर्ण शहरों, गेलेफू और समत्से को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। उन्होंने विस्तार से बताया कि असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू तक लगभग 69 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग का निर्माण 3,456 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जाएगा। वहीं, पश्चिम बंगाल के बानरहाट से समत्से तक 20 किलोमीटर लंबी दूसरी रेल परियोजना 577 करोड़ की लागत से पूरी होगी।

इस अवसर पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि यह भारत द्वारा भूटान के साथ स्थापित की जाने वाली पहली रेल कनेक्टिविटी परियोजना होगी। उन्होंने याद दिलाया कि इस संपर्क के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। श्री मिसरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और भूटान के बीच असाधारण विश्वास, आपसी सम्मान और समझ का रिश्ता है, जिसकी जड़ें सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों, व्यापक जन-संपर्क और साझा विकासात्मक एवं सुरक्षा हितों में निहित हैं।

विदेश सचिव ने यह भी रेखांकित किया कि भारत, भूटान का शीर्ष व्यापारिक भागीदार है और सबसे बड़ा विकासात्मक सहायक भी रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने भूटान के आधुनिकीकरण, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और देश के समग्र आर्थिक विकास के क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन नई रेल परियोजनाओं से दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कोकराझार-गेलेफू नई रेल लाइन: 69 किलोमीटर, 3,456 करोड़ रुपये की परियोजना

रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि पहली परियोजना 69 किलोमीटर लंबी कोकराझार गेलेफू रेल लाइन होगी, जिस पर 3,456 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह परियोजना चार वर्षों में पूरी की जाएगी। इस रेल लाइन से असम के कोकराझार और चिरांग जिले तथा भूटान के सारपांग जिले को लाभ होगा।

नई लाइन से यात्रियों और माल परिवहन की सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही, भूटान का गेलेफू क्षेत्र, जो वर्तमान में "माइंडफुलनेस सिटी" के रूप में विकसित हो रहा है, भारत भूटान के बीच आर्थिक गतिविधियों का नया केंद्र बन सकता है।

वैष्णव ने बताया कि कोकराझार स्टेशन को न्यू बोंगाईगांव जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्र से जोड़ा जाएगा, जिससे यह भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा। परियोजना में छह स्टेशन, दो बड़े पुल, दो वायडक्ट, 29 बड़े और 65 छोटे पुल, 39 अंडरपास, एक फ्लाईओवर और दो शेड शामिल होंगे।

बनारहाट-समत्से रेल परियोजना: 20 किलोमीटर, 577 करोड़ रुपये की लागत

दूसरी परियोजना बनारहाट (भारत) समत्से (भूटान) के बीच 20 किलोमीटर लंबी रेल लाइन होगी, जिसकी लागत 577 करोड़ रुपये तय की गई है। इसे तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस रेल लाइन से पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले और भूटान के समत्से जिले को सीधा लाभ मिलेगा।

भूटान सरकार समत्से को औद्योगिक नगर के रूप में विकसित कर रही है, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

असम के कोकराझार से गेलेफू और पश्चिम बंगाल के बानरहाट से समत्से तक रेल लाइन बिछाई जाएगी।

भारत-भूटान सीमा पर बढ़ेगी सामाजिक और आर्थिक एकजुटता

रेल मंत्री ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं से न केवल लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि भारत भूटान सीमा पर सामाजिक और आर्थिक संबंध और प्रगाढ़ होंगे। माल ढुलाई और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूर्वोत्तर भारत और भूटान के बीच साझा विकास को नई दिशा मिलेगी।

भारत सरकार करेगी वित्तीय सहायता

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि रेल परियोजनाओं के भारतीय हिस्से पर निवेश रेल मंत्रालय करेगा, जबकि भूटान की ओर का हिस्सा भारत सरकार की वित्तीय सहायता से पूरा किया जाएगा। यह सहायता भूटान की पंचवर्षीय योजना के तहत विदेश मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाएगी।

Scanned with OKEN Scanner

अपडेटेड खबरें पाएं सिर्फ www.railsamacharbureauald.com

भारतीय रेलवे में सुधारों की नई दिशा

आरपीएफ होगी और सशक्त, यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वलसाड में आरपीएफ स्थापना दिवस परेड में शिरकत की, 41 पुरस्कार विजेता आरपीएफ कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वलसाड स्थित आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस मौके पर, केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसिक प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पदक, जीवन रक्षा पदक आदि से सम्मानित 41 आरपीएफ कर्मियों का अभिनंदन भी किया। ये पुरस्कार देश के रेल नेटवर्क की सुरक्षा में आरपीएफ की अनुकरणीय सेवा को दर्शाते हैं और बल के अन्य सदस्यों को नए जोश के साथ अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए भी प्रेरित करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरपीएफ परेड की औपचारिक सलामी भी ली, जो अनुशासन और प्रतिबद्धता का एक सराहनीय प्रदर्शन था। उन्होंने परेड के दौरान कर्मियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, सटीकता और समर्पण की सराहना की।

अपने संबोधन में, श्री वैष्णव ने आरपीएफ कर्मियों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई दी और यात्रियों तथा रेल संपत्ति की सुरक्षा करने में उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता की भी तारीफ की। मंत्री ने हाल ही में हुए महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुरक्षित तथा सुगम यात्रा सुनिश्चित करने में आरपीएफ की उल्लेखनीय सेवा की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पिछले 11 सालों में, करीब 35,000 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं और 99% रेलवे नेटवर्क (करीब 60,000 किलोमीटर) का विद्युतीकरण किया जा चुका है। वर्तमान में, लगभग 150 वंदे भारत और 30 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जो यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करती हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से 110 स्टेशनों का उद्घाटन हो चुका है और शेष पर काम तेजी से चल रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि त्योहारी सीजन की माँग को पूरा करने के लिए, दीवाली और छठ के लिए रिकॉर्ड 12,000 से ज़्यादा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, ताकि सभी यात्रियों की यात्रा सुविधाजनक हो सके।

श्री वैष्णव ने बताया कि दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई जैसे प्रमुख मार्गों पर कवच प्रणाली का तेजी से उपयोग किया जा रहा है और यह अपने अंतिम चरण में है। कवच को 1200 इंजनों पर लगाया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि हर साल लगभग 7000 कोच बनाए जा रहे हैं, जबकि आम लोगों की सुविधा के लिए 3500 सामान्य कोच भी जोड़े गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि रेलवे सुरक्षा बल में आधुनिक प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है और इस दिशा में जरुरी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल में आधुनिक प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है और इस दिशा में जरुरी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में वलसाड से संसद सदस्य श्री धवल पटेल, वलसाड से विधायक श्री भरतभाई पटेल, कपराडा से विधायक श्री जीतूभाई चौधरी, उमरगाम से विधायक श्री रमणलाल पाटकर, आरपीएफ की महानिदेशक श्रीमती सोनाली मिश्रा, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, पश्चिम रेलवे के आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अजय सदानी, मुंबई सेंट्रल डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह और पश्चिम रेलवे के मुख्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आरपीएफ स्थापना दिवस परेड आरपीएफ सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा मनाई जाती है। यह जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का दिन है। आरपीएफ एक करुणामयी बल के रूप में उभरा है, क्योंकि यह रेलवे के संपर्क में आने वाली महिलाओं, बच्चों, बीमारों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और देखभाल व सुरक्षा की जरुरत वाले अन्य लोगों की मदद करता रहा है। यह बल रेल यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। परिवहन सुरक्षा में अहम भूमिका निभाकर, आतंकवादी कृत्यों के विरुद्ध निवारक कार्रवाई करके, मानव तस्करी सहित तमाम अपराधों से लड़कर, अपराधों का पता लगाने में पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता करके, कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करते हुए, यह राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रिड में एक जरुरी हितधारक बन गया है।

रेलवे सुरक्षा बल ने ''सेवा ही संकल्प'' के उद्देश्य को साकार करने के लिए राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा के लिए पूरी लगन, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ खुद को समर्पित किया है और अपने आदर्श वाक्य ''यशो लाभस्व'' की दिशा में काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने में आरपीएफ की उल्लेखनीय सेवा की सराहना की

साबरमती हाई स्पीड रेल स्टेशन - गांधी चरखा से प्रेरित डिजाइन, रेल, मेट्रो व बीआरटीएस का संगम

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद के साबरमती में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना के प्रमुख निर्माण स्थलों का दौरा किया। श्री वैष्णव ने साबरमती हाई स्पीड रेल (एचएसआर) स्टेशन, एचएसआर मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब और रोलिंग स्टॉक डिपो में जारी कार्यों की समीक्षा की।

साबरमती हाई स्पीड रेल स्टेशन: मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का यह टर्मिनल स्टेशन साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी के चरखे से प्रेरित है। यह स्टेशन 45,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया जा रहा है।

ट्रैक के तल तक का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। आंतरिक, यांत्रिक, विद्युतीय और नलसाजी (एमईपी) कार्य प्रगति पर हैं। यह स्टेशन विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं - प्रतीक्षालय, विश्राम कक्ष, नर्सरी, खुदरा और व्यावसायिक स्थान - प्रदान करेगा और यह विद्यमान रेलवे, मेट्रो और बीआरटीएस नेटवर्क से निर्बाध रूप से जुड़ा होगा।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल बुलेट ट्रेन परियोजनाओं के प्रमुख निर्माण स्थलों का दौरा किया

साबरमती एचएसआर मल्टीमॉडल हब:

इसे एचएसआर स्टेशन, साबरमती रेलवे स्टेशन, मेट्रो और बीआरटीएस के बीच सुचारू कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने वाली अत्याधुनिक सुविधा केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया है।

भवन के सामने की दीवार पर दांडी मार्च का एक स्टेनलेस स्टील का भित्तिचित्र बना है, जो साबरमती की ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इस हब में कार्यालय स्थल, होटल सुविधाएं और खुदरा दुकानें व रेस्टोरेंट जैसी यात्री सुविधाएं शामिल हैं। इसमें लगभग 1,200 वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा है। इस हब में सौर पैनल, परिदृश्य वाले टेरेस और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों सहित व्यापक हरित अवसंरचना भी है।

साबरमती एचएसआर रोलिंग स्टॉक डिपो:

यह परियोजना के तहत बनाए जा रहे तीन डिपो में सबसे बड़ा है। यह हब 84 हेक्टेयर में फैला हुआ है। यह हब निरीक्षण, स्टेबलिंग और वर्कशॉप लाइनों के साथ ट्रेनसेट के हल्के और भारी रखरखाव में सहायता करेगा।

प्रशासनिक भवन, निरीक्षण शेड, उपयोगिता केंद्रों व पटरियों के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह डिपो पर्यावरणीय स्थिरता मानदंडों का पालन करेगा। इसमें वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा प्रावधान और शून्य द्रव निर्वहन उपचार प्रणालियां शामिल होंगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति:

508 किलोमीटर में से 325 किलोमीटर वायडक्ट और 400 किलोमीटर पियर का काम पूरा हो चुका है। 17 नदी पुल, 5 पीएससी पुल और 10 स्टील पुल भी पूरे हो चुके हैं।

216 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जा चुकी है। रेल लाइन पर 4 लाख से अधिक ध्वनि अवरोधक लगाए जा चुके हैं। गुजरात के सभी स्टेशनों पर काम अंतिम चरण में है। मुंबई भूमिगत खंड कार्य में तेजी से प्रगति हो रही है।

रेल मंत्री ने कार्य की गति की सराहना की और इस बात पर बल दिया कि परियोजना समय पर पूरी होने की राह पर है। उन्होंने कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और '2047 तक विकसित भारत' के विजन का प्रतिनिधित्व करती है।

साबरमती डिपो में 84 हेक्टेयर में विकसित हो रही विश्व स्तरीय ट्रेन मेंटेनेंस सुविधा

Scanned with OKEN Scanner

टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों से मिलेगा छुटकारा, नई दिल्ली स्टेशन पर जल्द शुरू होगा नया यात्री सुविधा केंद्र

भीड़ कम करने के लिए पहली बार प्री-टिकटिंग, टिकटिंग और पोस्ट-टिकटिंग जोन की व्यवस्था, आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस है नया केंद्र।

देश भर के अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह के यात्री सुविधा केंद्र विकसित किए जाएंगे: अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- देश के सबसे व्यस्ततम टर्मिनलों में से एक पर यात्रियों के अनुभव को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। यह केंद्र लगभग 7,000 यात्रियों की क्षमता के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिससे बोर्डिंग से पहले सुविधा और आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ''नए विकसित अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे क्योंकि इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है। इस प्रकार के यात्री सुविधा केंद्र देश के अन्य स्टेशनों पर भी बनाए जाएंगे।''

नए यात्री सुविधा केंद्र को यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: 2,860 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग क्षेत्र, 1,150 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग के बाद का क्षेत्र और 1,218 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग से पहले का क्षेत्र। यह स्थान संबंधी विभाजन टर्मिनल के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को व्यापक, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है।

उत्तर रेलवे ने निर्माण के दौरान कई जटिल चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया, जिनमें एटीएम, दिल्ली पुलिस केबिन और होर्डिंग बोर्ड जैसी मौजूदा संरचनाओं को आवश्यक रूप से खत्म करना और स्थान परिवर्तन करना शामिल था। इसके अलावा, पानी की लाइनों, जल निकासी प्रणालियों और ओएफसी केबलों जैसी आवश्यक उपयोगिताओं का संवेदनशील स्थानांतरण और दैनिक कार्यों में बिना किसी रुकावट के पूरा किया गया।

साथ ही, फुट ओवर ब्रिज 1 (एफओबी 1) के विस्तार के साथ एक आवश्यक बुनियादी ढाँचे को पूरा किया गया। इस विस्तार से यह सुनिश्चित होता है कि नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन से उतरने वाले यात्री अब सीधे मेट्रो स्टेशन की ओर जा सकें, जिससे मल्टीम डल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होगी।

केंद्रीय मंत्री के साथ रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने इस सुविधा की योजना और कार्यान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। इस निरीक्षण ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

प्रमुख विशेषताएँ:

टिकटिंग: 22 आधुनिक टिकट काउंटर और 25 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम)।

क्षमता एवं आराम: 200 यात्रियों के बैठने की क्षमता और शीतलता के लिए 18 उच्च मात्रा निम्न गति (एचवीएलएस) पंखे।

स्वच्छता एवं जल: 652 वर्ग मीटर में निर्मित एक समर्पित शौचालय ब्लॉक, साथ ही आरओ आधारित पेयजल।

सूचना एवं सुरक्षा: 24 स्पीकरों के साथ एक यात्री घोषणा प्रणाली, तीन एलईडी इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना डिस्प्ले, और आधुनिक अग्निशमन प्रणाली की 7 इकाइयां।

सुरक्षा: 18 सीसीटीवी कैमरे, 5 सामान स्कैनर और 5 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) सहित अत्याधुनिक सुरक्षा उपाय।

बुलेट ट्रेन का सपना हो रहा साकार: रेल मंत्री वैष्णव और जापानी समकक्ष ने सूरत में परखी निर्माण की रफ्तार

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना के निर्माण में एक महत्वपूर्ण प्रगति का जायजा लेने के लिए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री, महामहिम हिरोमासा नाकानो ने सूरत में परियोजना स्थल का दौरा किया।

सूरत हवाईअड्डे पर महामहिम हिरोमासा नाकानो का पारंपरिक गरबा नृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात, दोनों मंत्री हाई-स्पीड रेल निर्माण स्थल पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान, श्री वैष्णव और श्री नाकानो ने ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी जैसे परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों का जायजा लिया। इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग ट्रैक बिछाने के काम में सटीकता और गति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

दोनों मंत्रियों ने कार्य की गुणवत्ता और निर्माण की तेज गति पर गहरा संतोष व्यक्त किया और परियोजना से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की। यह संयुक्त दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में मजबूत तकनीकी और वित्तीय सहयोग को दर्शाता है।

भारत के रेल मंत्री और जापान के परिवहन मंत्री ने सूरत में हाई-स्पीड रेल (HSR) निर्माण स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। दोनों मंत्रियों ने परियोजना की गुणवत्ता और तीव्र गति पर संतोष व्यक्त किया।

Scanned with OKEN Scanner

अपडेटेड खबरें पाएं सिर्फ www.railsamacharbureauald.com

3 अमृत भारत एक्सप्रेस और 4 पैसेंजर ट्रेन सहित बिहार के लिए 7 नई ट्रेन

बिहार में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए यात्री ट्रेनें, अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार को तेलंगाना, राजस्थान और दिल्ली से जोड़ेगी

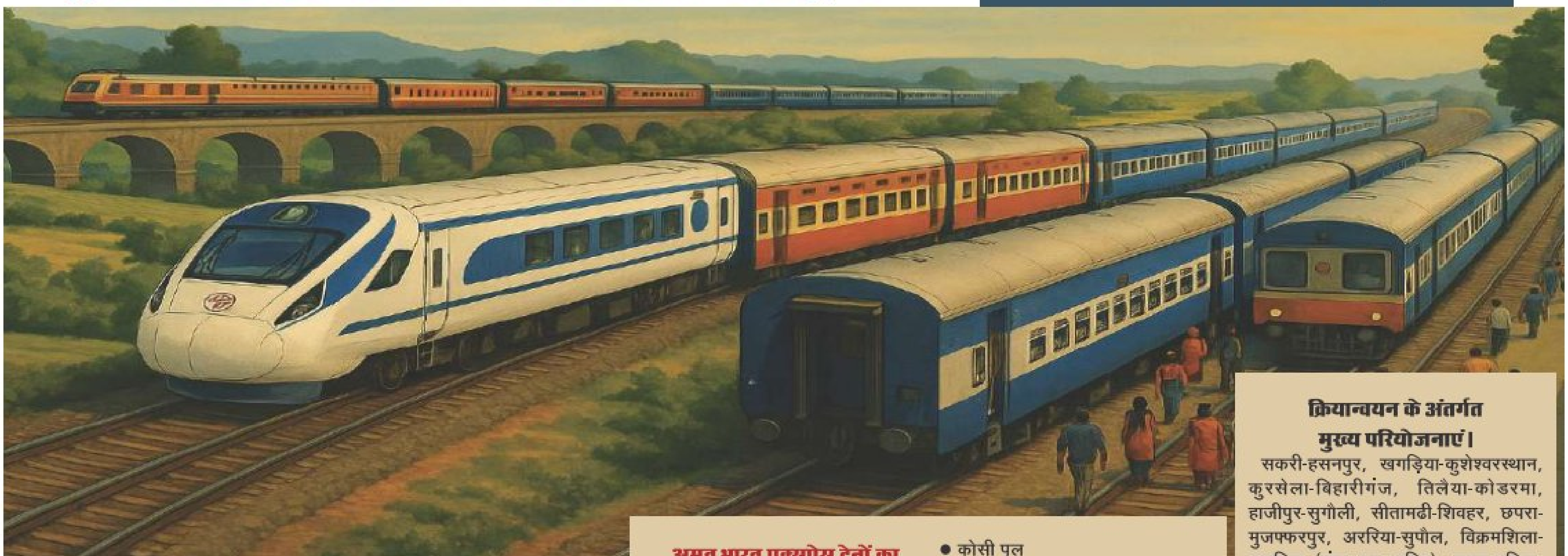

सूत्र/रे.स.ब्यू-केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ मिलकर बिहार में कुल सात नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। ये नई ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी को एक नया आयाम प्रदान करेंगी और यात्रियों को बेहतर यात्रा सेवाएं प्रदान करेंगी। इन नई ट्रेनों के उद्घाटन के साथ, अब देश भर में चलने वाली 30 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से बिहार में कुल 26 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं चालू हो गई हैं।

मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन है, जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन बन गई है।

ये अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। ये ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर और दक्षिण भारत से बिहार की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इनके परिचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन, व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा कि बिहार में विकास की गति ऐसी है कि निकट भविष्य में यह राज्य एक स्वर्णिम राज्य के रूप में उभरेगा। ये ट्रेनें बिहार में कनेक्टिविटी का एक नया स्तर प्रदान करेंगी, यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाएंगी और राज्य के समग्र विकास को गति देंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद से, उन्होंने राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए रेलवे को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले बिहार का वार्षिक रेल बजट केवल लगभग 1,000 करोड़ रुपये था, जबकि आज यह लगभग 10,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जिसके तहत बिहार में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का रेलवे नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो चुका है और 1,899 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं।

भारतीय रेल द्वारा विकसित, अमृत भारत एक्सप्रेस देश की रेल व्यवस्था में आधुनिकीकरण का प्रतीक बन गई है। यह ट्रेन यात्रा का न केवल एक तेज और किफायती विकल्प है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, अग्नि सूचक प्रणाली, सीलबंद गैंगवे और टॉक-बैक यूनिट जैसी उन्नत सुविधाएं भी हैं। पहली बार, गैर-वातानुकूलित डिब्बों में यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

यह "विकसित बिहार से विकसित भारत" के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण:

- दरभंगा-अजमेर (मदार) अमृत भारत एक्सप्रेस
- मुजफ्फरपुर-हैदराबाद (चरलापल्ली) अमृत भारत एक्सप्रेस
- छपरा- दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने चार यात्री ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई।

यात्री ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण:

- पटना-बक्सर पैसेंजर
- झाझा दानापुर पैसेंजर
- नवादा-पटना पैसेंजर
- पटना-इस्लामपुर पैसेंजर

राज्य में पूरी हो चुकी कुछ प्रमुख रेलवे परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि 28 किलोमीटर लंबा पटना रेल-सह-सड़क पुल,15 किलोमीटर लंबा मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल और लंबे समय से प्रतीक्षित कोसी पुल का निर्माण पूरा हो चुका है।

2014 से पूर्णतः चालू महत्वपूर्ण परियोजनाएं

- पटना रेल-सह-सड़क पुल
- मुंगेर रेल-सह-सड़क पुल
- कोसी पुल
- दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन
- चांदन-बांका नई लाइन
- रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन
- महाराजगंज-मसरख नई लाइन
- राजगीर-तिलैया और नटेसर- इस्लामपुर नई लाइन
- मानसी-सहरसा-पूर्णिया आमान परिवर्तन
- जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन
- कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन
- सकरी-निर्मली एवं सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन
- मानसी-सहरसा-सहरसा-पूर्णिया एवं बनमनखी-बिहारीगंज आमान परिवर्तन
- साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण
- महेशखुट-थानाबिहपुर दोहरीकरण
- हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण
- पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण
- बख्तियारपुर-बाढ़ दोहरीकरण
- किउल-गया दोहरीकरण
- हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण
- दरभंगा बाईपास

इसके अतिरिक्त, अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन का काम पूरा हो चुका है और इसका शीघ्र ही उद्घाटन किया जाएगा।

क्रियान्वयन के अंतर्गत मुख्य परियोजनाएं।

सकरी-हसनपुर, खगड़िया-कुशेश्वरस्थान, कुरसेला-बिहारीगंज, तिलैया-कोडरमा, हाजीपुर-सुगौली, सीतामढी-शिवहर, छपरा-मुजफ्फरपुर, अररिया-सुपौल, विक्रमशिला-कटरिया (गंगा पुल सहित), झाझा-बटिया, पीरपैंती-जसीडीह, छितौतिनी-तुमकुई रोड, जलालगरनी-किशनगंज, जोगबनी- विराट-नगर, औरंगाबाद टर्मिनल-अनुग्रह नारायण रोड, जयनगर-बिजलपुरा,धनबाद-सोननगर, आदि।

तीसरी/चौथी लाइन दोहरीकरण कार्य: समस्तीपुर-दरभंगा, सुगौली-वाल्मीकिनगर, मुजफ्फरपुर-सुगौली, नरकटियागंज-दरभंगा-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर, छपरा- बलिया, कटिहार-कुमेदपुर, बरौनी-बछवारा (तीसरी और चौथी लाइन), सोननगर- अंडाल (तीसरी और चौथी लाइन), पुनारख-बक्तियारपुर (तीसरी और चौथी लाइन) इत्यादि।

केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि कई अन्य परियोजनाओं पर काम चल रहा है और अतिरिक्त परियोजनाओं की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में, बिहार में 13 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें यानी 26 सेवाएं चल रही हैं, जो 25 जिलों के 42 स्टॉप को कवर करती हैं। इसके अलावा, वंदे भारत सेवा की 10 जोड़ी ट्रेनें (20 सेवाएं) 28 जिलों को कवर करती हैं। राज्य में नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं भी चल रही हैं।

बिहार से चलने वाली ये नई ट्रेनें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाएंगी और आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी।

विश्व मेरुदंड दिवस

'स्वस्थ मेरुदंड' से ही संभव है 'स्वस्थ भविष्य'

सूत्र/रे.स.ब्यू- 16 अक्टूबर को पूरे विश्व में विश्व मेरुदंड दिवस (World Spine Day) मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य के महत्व और उससे जुड़ी समस्याओं के बारे में वैश्विक स्तर पर जागरूकता फैलाना है। इस वर्ष का विषय 'स्वस्थ मेरुदंड- स्वस्थ भविष्य' रखा गया है, जो यह संदेश देता है कि एक स्वस्थ रीढ़ ही बेहतर और क्रियाशील जीवन का आधार है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बदलती जीवन-शैली, घंटों तक एक ही जगह पर बैठे रहने की आदत और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण रीढ़ से जुड़ी समस्याएं महामारी का रूप ले रही हैं। एक चिंताजनक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2050 तक दुनिया भर में लगभग 84.3 करोड़ (843 मिलियन) लोग रीढ़ से संबंधित रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। यह आंकड़ा हमें रीढ़ के स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए आगाह करता है।

क्यों बढ़ रही हैं रीढ़ की समस्याएं?

रीढ़ की हड्डी, जिसे मेरुदंड भी कहा जाता है, हमारे शरीर का मुख्य स्तंभ है। यह हमें चलने, बैठने, झुकने और दैनिक कार्यों को करने में सहायता करती है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली ने इस पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है:

- **खराब पोस्चर:** कंप्यूटर या मोबाइल पर घंटों तक गलत तरीके से बैठना।
- **व्यायाम की कमी:** मांसपेशियों का कमजोर होना।
- **असंतुलित आहार:** हड्डियों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों, विशेषकर कैल्शियम और विटामिन डी की कमी।
- **मोटापा:** शरीर का अतिरिक्त वजन रीढ़ पर सीधा दबाव डालता है।
- **धूम्रपान:** यह रीढ़ की डिस्क तक पहुंचने वाले रक्त प्रवाह को कम करता है।

'स्वस्थ मेरुदंड' के लिए क्या करें?

इस वर्ष की थीम को अपनाते हुए, हम कुछ सरल उपायों से अपनी रीढ़ को स्वस्थ रख सकते हैं और भविष्य में होने वाली गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं:

- **सही मुद्रा में बैठें:** काम करते समय अपनी पीठ को सीधा रखें। सुनिश्चित करें कि आपकी कंप्यूटर स्क्रीन आंखों के स्तर पर हो। हर घंटे में कुछ मिनट का ब्रेक लेकर टहलें और स्ट्रेचिंग करें।
- **सुनहरे भविष्य के लिए योग को दिनचर्या में शामिल करें:** योग रीढ़ की हड्डी के लिए एक संपूर्ण व्यायाम है। भुजंगासन, मार्जरीआसन (कैट-काउ पोज) और अधोमुख श्वानासन जैसे आसन रीढ़ को लचीला बनाते हैं, मांसपेशियों को मजबूत करते हैं और तनाव से राहत देते हैं। सुनहरे भविष्य के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें।
- **नियमित व्यायाम करें:** योग के अलावा, तैराकी और पैदल चलना भी रीढ़ के लिए बेहतरीन व्यायाम हैं।
- **संतुलित आहार लें:** अपनी डाइट में कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, पनीर, हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें शामिल करें।
- **वजन नियंत्रित रखें:** स्वस्थ वजन बनाए रखने से रीढ़ पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम होता है।
- **सही तरीके से वजन उठाएं:** कोई भी भारी वस्तु उठाते समय घुटनों को मोड़ें और पीठ को सीधा रखें, कमर से न झुकें।
- **पर्याप्त नींद लें:** सोते समय सही गद्दे का उपयोग करें जो न बहुत सख्त हो और न ही बहुत नरम। सही मुद्रा में सोने की आदत डालें।

लेटकर टीवी, झुककर मोबाइल - बच्चों की सेहत के लिए खतरनाक कॉम्बिनेशन

आजकल बच्चों में रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) और गर्दन दर्द की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है-लेटकर या तिरछे बैठकर टीवी देखना और देर तक मोबाइल झुककर चलाना। ऐसी गलत आदतें बच्चों की हड्डियों और मांसपेशियों पर दबाव डालती हैं, जो आगे चलकर गंभीर परेशानी बन सकती हैं।माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। बच्चों के साथ पार्क जाएँ, खेलें, साइकिल चलाएँ, ताकि उनका शरीर सक्रिय और मजबूत रहे। साथ ही, उन्हें सही बैठने की मुद्रा सिखाएँ और मोबाइल-टीवी का समय सीमित करें। याद रखें-बच्चे देश का भविष्य हैं, उनका स्वस्थ रहना हम सबकी जिम्मेदारी है।

Scanned with OKEN Scanner

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ को मिली रेलवे विस्तार की नई रफ्तार

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की 24,634 करोड़ रुपये के परिव्यय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों में व्याप्त इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या लगभग 85 लाख 84 हजार है, तथा दो आकांक्षी जिलों, विदिशा और राजनांदगांव तक संपर्क बढ़ेगा।

लाइन क्षमता में बढ़ोत्तरी से गतिशीलता बढ़ेगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी ट्रैकिंग (पटरियों की संख्या बढ़ाना) प्रस्ताव परिचालन सुगम बनाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए लाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप इन परियोजनाओं से क्षेत्र के लोगों का व्यापक विकास होगा, वे आत्मनिर्भर बनेंगे और

24,634 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत वाली परियोजनाएं 2030-31 तक पूरी होंगी

उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार इन परियोजनाओं का उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श द्वारा मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाना है। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं को निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

परियोजना खंड सांची, सतपुड़ा बाघ अभयारण्य, प्रागैतिहासिक मानव जीवन के प्रमाणों और प्राचीन शैल चित्रकला के लिए प्रसिद्ध भीमबेटका शैलाश्रय, हजारा जलप्रपात, नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान आदि प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क प्रदान करेगा, जो देश भर के पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

यह कोयला, कंटेनर, सीमेंट, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न, इस्पात आदि वस्तुओं के परिवहन के लिए भी आवश्यक मार्ग है। पटरियों की संख्या बढ़ाए जाने से प्रति वर्ष 78 मिलियन टन की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह देश के जलवायु लक्ष्यों और परिचालन लागत कम करने, तेल आयात (28 करोड़ लीटर) में कमी लाने और कार्बन उत्सर्जन 139 करोड़ किलोग्राम कम करने में मदद करेगा, जो छह करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

- *महाराष्ट्र में वर्धा – भुसावल के बीच 314 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी लाइन*
- *महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में 84 किलोमीटर लंबी गोंदिया–डोंगरगढ़ चौथी लाइन*
- *गुजरात और मध्य प्रदेश में 259 किलोमीटर लंबी वडोदरा–रतलाम तीसरी और चौथी लाइन*
- *मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबी इटारसी–भोपाल–बीना चौथी लाइन शामिल हैं*

भारतीय रेल में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान

रेलवे बोर्ड सचिव के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया श्रमदान।

सूत्र/रे.स.ब्यू- राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' की पहल के मौके पर, नई दिल्ली स्थित रेल मंत्रालय के मुख्यालय, रेल भवन में एक विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस विशेष अभियान का नेतृत्व स्वयं रेलवे बोर्ड की सचिव, श्रीमती अरुणा नायर ने किया। उनके कुशल मार्गदर्शन में, रेल भवन के वरिष्ठतम अधिकारियों से लेकर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों तक, सभी ने अपने नियमित कार्यों से समय निकालकर इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। यह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि स्वच्छता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रदर्शन था।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों का उत्साह देखते ही बन रहा था, जिन्होंने पूरे जोश और लगन के साथ श्रमदान में 'बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया'। श्रीमती नायर का स्वयं इस अभियान का नेतृत्व करना इस बात का प्रतीक था कि स्वच्छता का संदेश संगठन में उच्चतम स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक समान रूप से महत्वपूर्ण है और इसे सफल बनाने के लिए हर किसी का योगदान आवश्यक है।

कुल मिलाकर, रेल भवन में आयोजित यह श्रमदान कार्यक्रम 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की उस मूल भावना को सफलतापूर्वक दर्शाता है, जहाँ हर व्यक्ति का एक छोटा सा प्रयास मिलकर एक बड़े और सकारात्मक बदलाव की नींव रखता है।

प्रयागराज मंडल में 'एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त भारत' पर जनजागरूकता रैली आयोजित

प्रयागराज जंक्शन पर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निकाली गई रैली

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को स्टेशन निदेशक / प्रयागराज जंक्शन, श्री वी. के. द्विवेदी के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 'एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त भारत' विषय पर जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्टेशन पर तैनात निरीक्षक, सुपरवाइजर, रेलवे कर्मचारी, सफाई कर्मी तथा बड़ी संख्या में यात्रीगण शामिल हुए। प्रतिभागियों ने "प्लास्टिक मुक्त भारत", "स्वच्छ स्टेशन स्वस्थ राष्ट्र" और "प्लास्टिक छोड़ो, पर्यावरण बचाओ" जैसे नारे लगाकर यात्रियों को एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराया।

रैली के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे प्लास्टिक की थैलियों, बोतलों, कपों आदि का प्रयोग न करें और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाएं। साथ ही स्टेशन पर उपलब्ध बॉटल क्रशिंग मशीन के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

स्टेशन निदेशक श्री द्विवेदी ने कहा कि - "स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन है। रेलवे अपने स्टेशनों को स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है।" उन्होंने सभी से अपील की कि वे स्टेशन परिसर को स्वच्छ, कूड़ा-कर्कट एवं प्लास्टिक-मुक्त रखने में सहयोग दें।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान प्रयागराज मंडल के कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़, टूंडला जंक्शन, फफूंद, इटावा आदि स्टेशनों पर भी स्वच्छता रैलियाँ, शपथ ग्रहण, निबंध प्रतियोगिताएँ, पोस्टर अभियान तथा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य यात्रियों एवं आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना फैलाना है।

आगरा मंडल में "स्वच्छता पखवाड़ा-2025" का सफल समापन

01 से 15 अक्टूबर तक चला स्वच्छता अभियान, कई नवाचारपूर्ण गतिविधियाँ हुई संपन्न

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे, आगरा मंडल में 01 से 15 अक्टूबर 2025 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया गया। इस अवधि में विभिन्न स्वच्छता दिवसों के तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्वच्छ स्टेशन दिवस, स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस, स्वच्छ पटरी दिवस, स्वच्छ नीर दिवस, स्वच्छ प्रसाधन दिवस, स्वच्छ आहार दिवस एवं एकल उपयोग प्लास्टिक निषेध दिवस प्रमुख रहे।

अभियान के दौरान स्टेशनों, रेलगाड़ियों, कॉलोनियों, कार्यालयों एवं कैंटीनों में व्यापक सफाई अभियान, श्रमदान, तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यात्रियों और कर्मचारियों को स्वच्छता, कचरा पृथक्करण एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण के प्रति जागरूक किया गया।

15 अक्टूबर को मंडल कार्यालय के गोवर्धन सभागार में पखवाड़े का समापन समारोह एवं प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें समस्त गतिविधियों की समीक्षा की गई और बेहतर प्रदर्शन करने वाली इकाइयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

साबरमती-गोरखपुर-साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक अस्थाई विस्तार में की अवधि में परिवर्तन

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा गोरखपुर स्टेशन पर तकनीकी कार्य के कारण साबरमती-गोरखपुर- साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक अस्थाई विस्तार की अवधि में परिवर्तन जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार गाडी संख्या 19409/ 19410, साबरमती-गोरखपुर-साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक संचालन की अवधि में साबरमती से दिनांक 26.02.26 तक के स्थान पर दिनांक 14.02.26 तक एवं गोरखपुर से दिनांक 28.02.26 तक के स्थान दिनांक 16.02.26 तक अस्थाई विस्तार किया जा रहा है।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक, जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए दीपावली एवं छठ पूजा के असवर पर विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 02877/02878 राँची-आनन्द विहार (ट.) (साप्ताहिक) दीपावली/छठ विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02877 राँची - आनन्द विहार (ट.)		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 02878 आनन्द विहार (ट.) - राँची	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:55 (शुक्र)	राँची	05:00 (सोम)	----
15:20 (शनि)	15:30	प्रयागराज जं.	13:20	13:25
19:25	19:30	गोविन्दपुरी	09:55	10:00
03:00 (रवि)	----	आनन्द विहार (ट.)	----	04:00 (रवि)

राँची सेः- गाड़ी संख्या 02877, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 17.10.2025 से 31.10.2025 तक। **आनन्द विहार (ट.) सेः-** गाड़ी संख्या 02878, प्रत्येक रविवार, दिनांक 19.10.2025 से 02.11.2025 तक।

गाड़ी संरचनाः- वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 18

गाड़ी सं. 04094/04093 हज़रत निजामुद्दीन-पटना आरक्षित एसी सुपरफास्ट त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04094 हज़रत निजामुद्दीन - पटना		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04093 पटना - हज़रत निजामुद्दीन	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:00	हज़रत निजामुद्दीन	00:45	----
18:05	15:10	गोविन्दपुरी	17:30	17:35
20:50	20:55	प्रयागराज जं.	14:30	14:35
05:00	----	पटना	----	07:45

हज़रत निजामुद्दीन सेः- गाड़ी संख्या 04094, दिनांक 21.09.2025 से 29.11.2025 तक। **पटना सेः-** गाड़ी संख्या 04093, दिनांक 22.09.2025 से 30.11.2025 तक। **गाड़ी संरचनाः-** वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 04096/04095 आनन्द विहार (ट.)-पाटलिपुत्र आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04096 आनन्द विहार (ट.) - पाटलिपुत्र		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04095 पाटलिपुत्र - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	00:05	आनन्द विहार (ट.)	21:30	----
07:15	07:20	कानपुर सेंट्रल	13:45	13:50
10:05	10:10	प्रयागराज जं.	11:05	11:15
21:30	----	पाटलिपुत्र	----	00:30

आनन्द विहार (ट.) सेः- गाड़ी संख्या 04096, दिनांक 21.09.2025 से 29.11.2025 तक। **पाटलिपुत्र सेः-** गाड़ी संख्या 04095, दिनांक 22.09.2025 से 30.11.2025 तक। **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 04458/04457 आनन्द विहार (ट.)-भागलपुर आरक्षित त्योहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04458 आनन्द विहार (ट.) - भागलपुर		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04457 भागलपुर - आनन्द विहार (ट.)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	13:40	आनन्द विहार (ट.)	22:00	----
20:30	20:35	कानपुर सेंट्रल	14:00	14:05
23:15	23:25	प्रयागराज जं.	10:15	10:20
14:30	----	भागलपुर	----	18:00

आनन्द विहार (ट.) सेः- गाड़ी संख्या 04458, दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक। **भागलपुर सेः-** गाड़ी संख्या 04457, दिनांक 21.09.2025 से 01.12.2025 तक। **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 06 एवं स्लीपर श्रेणी- 10

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1767/25(A)

भारतीय रेलवे का लक्ष्य - तेज, पारदर्शी और समयबद्ध माल परिवहन से देश के लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मिलेगी नई ऊंचाई।

- भारतीय रेलवे ने दिल्ली और कोलकाता के बीच सुनिश्चित ट्रांजिट कंटेनर रेल सेवा और मुंबई-कोलकाता मार्ग पर डोर-टू-डोर पार्सल शुरू की
- सोनिक में एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब, उर्वरक, खाद्यान्न, सीमेंट और ट्रैक्टरों सहित डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स और निर्बाध कार्गो आवाजाही प्रदान करेगा
- किसानों तक सस्ते दामों पर ट्रैक्टर पहुँचेंगे

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सोनिक एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया और दो नई डोर-टू-डोर माल ढुलाई और पार्सल सेवाओं को झंडी दिखा कर रवाना किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर सेवाएँ देश के लिए आवश्यक हैं, क्योंकि ये दक्षता बढ़ाएँगी और लॉजिस्टिक्स लागत को काफी कम करेंगी। उन्होंने इस बात पर बलर दिया कि उद्योग अब बिना पूरी रेक भरे, एक निश्चित संख्या में कंटेनर अपने गंतव्य तक भेज सकते हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि कारखानों और रेलगाडियों के लोडिंग/अनलोडिंग स्थानों के बीच लॉजिस्टिक गैप को अब भारतीय रेलवे व्यापक डोर-टू-डोर सेवाओं के माध्यम से समाप्त करेगा। उन्होंने कहा कि गुड्स शेड या लॉजिस्टिक्स टर्मिनल कंटेनरों को भरने और उतारने की सुविधाओं से सुसज्जित होंगे, जिससे ग्राहकों को नए सेवा मॉडल का पूरा लाभ मिल सकेगा।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने बताया कि सोनिक यह सुविधा प्रदान करने वाला पहला एकीकृत लॉजिस्टिक्स केंद्र बन गया है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल पहल के अंतर्गत, मल्टीमॉडल सेवाएँ प्रदान करने के लिए 115 टर्मिनल विकसित किए गए हैं, जिससे ग्राहकों को पर्याप्त लाभ होगा।

मुंबई-कोलकाता कॉरिडोर से शुरू होकर, माल की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और अधिक शहरों तक कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए जल्द ही और सेवाएँ चालू होंगी। केंद्रीय मंत्री महोदय ने कहा कि एक और प्रयोग भी सफल रहा है - किसानों को लाभ पहुँचाने के लिए ट्रैक्टर जैसे उपकरणों का किफायती दरों पर परिवहन। जिस तरह कार कार्गो को कुशलतापूर्वक ले जाया जाता है, उसी तरह अब ट्रैक्टर और भारी निर्माण उपकरण (जेसीबी) के लिए भी परिवहन सुविधाएँ बढ़ाई जाएँगी।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने इस बात पर बल दिया कि डोर-टू-डोर डिलीवरी पहल रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है-जहाँ प्राप्तकर्ता का माल सीधे गोदाम या कारखाने से उठाया जाता है और भारतीय रेलवे द्वारा अंतिम गंतव्य स्थल तक पहुँचाया जाता है। विकसित भारत के लॉजिस्टिक्स विजन के अनुरूप, यह पहल भारतीय रेलवे के माल के ट्रांसपोर्टर से माल ग्राहकों के लिए एक पूर्ण लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता बनने की शुरुआत का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल (भारतीय रेलवे) दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मालवाहक है, जो सालाना 1.6 बिलियन टन माल का परिवहन करता है।

लॉजिस्टिक्स हब/सेवाओं का विवरण:

एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब के रूप में रेलवे गुड्स शेड (सोनिक, लखनऊ मंडल)

- **रणनीतिक स्थान:** यह टर्मिनल लखनऊ से लगभग 50 किलोमीटर और कानपुर से 20 किलोमीटर दूर स्थित है, जो राजधानी और एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के बीच प्रभावी रूप से संपर्क स्थापित करता है।
- **व्यापक सेवाएँ:** यह कानपुर और लखनऊ क्षेत्रों की बढ़ती लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को पूरा करेगा और ग्राहकों को डोर-टू-डोर लॉजिस्टिक्स, कार्गो के लिए वितरण केंद्र और इन्वेंट्री प्रबंधन सेवाओं सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करेगा।
- **परिचालन प्रबंधन:** कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) सभी टर्मिनल परिचालनों का प्रबंधन करेगा और निर्बाध कार्गो आवाजाही सुनिश्चित करते हुए महत्वपूर्ण प्रथम और अंतिम स्थान तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- **कार्गो प्रोफाइल:** यह टर्मिनल उर्वरक, खाद्यान्न, सीमेंट और ट्रैक्टर सहित विविध प्रकार की वस्तुओं को लाने-ले जाने के लिए तैयार है।
- **बुनियादी ढाँचा:** इस सुविधा में अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है, जिसमें भंडारण, डोर-टू-डोर सेवाएँ और ग्राहकों तथा श्रमिकों दोनों के लिए आवश्यक सुविधाएँ शामिल हैं।
- सुनिश्चित पारगमन कंटेनर ट्रेन सेवा (दिल्ली से कोलकाता)
- **उद्देश्य और मार्ग:** यह प्रीमियम सेवा आवागमन समय की गारंटी देती है और सड़क परिवहन का एक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करती है। यह मार्ग दिल्ली - आगरा - कानपुर - कोलकाता को जोड़ता है।

मुख्य सेवा मानदंड:

- **सुनिश्चित पारगमन समय:** 120 घंटे।
- **फ्रीक्वेंसी:** द्वि-साप्ताहिक प्रस्थान (प्रत्येक बुधवार और शनिवार)।

संचालन: इस सेवा में तुगलकाबाद (दिल्ली), आगरा, कानपुर (आईसीडीजी साइडिंग) और कोलकाता (आईसीडीजी साइडिंग) सहित मध्यवर्ती टर्मिनलों पर लोडिंग और अनलोडिंग (लिफ्ट ऑन/लिफ्ट ऑफ) संचालन शामिल है, जिसमें प्रत्येक स्थान पर 6 घंटे का मानकीकृत ठहराव समय है।

आसान बुकिंग: ग्राहक अपनी आपूर्ति श्रृंखला आवश्यकताओं के अनुरूप कई बुकिंग विकल्पों में से चुन सकते हैं: डोर-टू-डोर, डोर-टू-टर्मिनल, टर्मिनल-टू-डोर और टर्मिनल-टू-टर्मिनल।

डिजिटल एकीकरण: सुनिश्चित आवागमन सेवा के लिए प्रथम स्थान और अंतिम स्थान तक सेवाओं को उपयोगकर्ता-अनुकूल कॉनकॉर ई-लॉजिस्टिक्स मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से बुक और प्रबंधित किया जा सकता है।

- रेलवे पार्सल वैन द्वारा डोर-टू-डोर पार्सल सेवा (मुंबई से कोलकाता)

सेवा मॉडल: यह एकीकृत सेवा तीन-भागों वाली प्रक्रिया है:

पहला स्थान: कॉनकॉर के प्रमाणित व्यावसायिक सहयोगियों द्वारा संचालित।

मध्य स्थल: मुख्य परिवहन भारतीय रेलवे की पार्सल रेल सेवा के माध्यम से किया जाता है, जिसका प्रभावशाली परिचालन समय 48 से 60 घंटे है।

अंतिम स्थल: अंतिम डिलीवरी भी कॉनकॉर के व्यावसायिक सहयोगियों द्वारा की जाती है।

पायलट मार्ग और ग्राहक: यह सेवा वर्तमान में मुंबई (भिवंडी रोड) से कोलकाता (संकरेल) मार्ग पर 1930 किलोमीटर की दूरी पर संचालित है। यह कैस्ट्रॉल इंडिया (ल्यूब ऑयल), वीआईपी इंडस्ट्रीज (बैग), गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड (रेफ्रिजरेटर और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं), और नेस्ले (एफएमसीजी उत्पाद) सहित प्रमुख ब्रांडों के लिए सफलतापूर्वक माल का प्रबधन करती है।

बुनियादी ढाँचा समर्थन: इस सेवा को मुंबई और कोलकाता दोनों केंद्रों पर 5400 सीएफटी कार्गो भंडारण सुविधा का समर्थन प्राप्त है।

सड़क परिवहन की तुलना में, रेल पार्सल सेवा से रसद लागत में 7.5 प्रतिशत की कमी आती है। इसके अतिरिक्त, रेल परिवहन काफी तेज है, जिससे परिवहन समय में लगभग 30 प्रतिशत की बचत होती है।

श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार एवं श्री मनोज तिवारी, सांसद ने नई दिल्ली स्टेशन पर नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के साथ उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद श्री मनोज तिवारी भी मौजूद थे। उनके निरीक्षण के दौरान उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने यात्री सुविधा केंद्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस यात्री सुविधा केंद्र में एक समय में 7000 यात्रियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध हैं।

नए यात्री सुविधा केंद्र को यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: 2,860 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग क्षेत्र, 1,150 वर्ग मीटर में फैला एक पोस्ट टिकटिंग क्षेत्र और 1,218 वर्ग मीटर में फैला एक प्री टिकटिंग क्षेत्र। टर्मिनल के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़भाड़ कम करने और यात्रियों की सुविधा में सुधार के लिए यह केंद्र बनाया गया है।

श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा, "नव विकसित अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने की भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है"

आपदा में मिलकर काम करेंगी तीन एजेंसियां, दिल्ली में समझौता पत्र पर हुआ हस्ताक्षर

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे सुरक्षा बल (RPF), भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान (IRIDM) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ल्न्ह) के बीच 7 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली में एक त्रिपक्षीय समझौता (MoU) पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते का उद्देश्य रेल सुरक्षा बल को प्रशिक्षित 'फर्सट रिस्पॉन्डर्स' बल के रूप में तैयार करना है जो आपदा के गोल्डन आवर में त्वरित बचाव और राहत कार्य कर सके। यह साझेदारी रेल सुरक्षा को एक नई दिशा प्रदान करेगी और आपदा प्रबंधन में भारतीय रेल की क्षमता को और सशक्त बनाएगी।

यह कार्यक्रम पूरे देश में रेलवे सुरक्षा विशेष बल के लिए लागू होगा।

इस अवसर पर नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स के महानिरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला, IRIDM के निदेशक वी. वी. एस. श्रीनिवास तथा जगजीवन राम रेल सुरक्षा बल अकादमी, लखनऊ के निदेशक बी. वेंकटेश्वर राव ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत RPF कर्मियों को NDRF बटालियन में लघु-अवधि के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिनमें आपदा प्रतिक्रिया, खोज एवं बचाव, बाढ़/जल-आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और संयुक्त अभ्यास जैसे विषय शामिल होंगे। इसके बाद IRIDM, बेंगलुरु में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहाँ RPF और NDRF कर्मी एक साथ भाग लेंगे। MoU के अंतर्गत जे. आर. आर. पी. एफ. अकादमी, लखनऊ को प्रशिक्षण के लिए नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

दीपावली पर्व में वह ऊर्जा है, जो मानव-जाति को पुनः अनुप्राणित करती है

-दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान)

यूँ तो सूर्योदय के साथ प्रारम्भ होने वाला प्रत्येक दिन मानव सभ्यता की महान गाथा का एक स्वर्णिम अध्याय बन कर आता है। परन्तु कुछ दिन अपने भीतर ऐसे महत्वपूर्ण सन्देश लिये उदित होते हैं कि मानव समाज युग-युगांतरों तक उन्हें भुला नहीं पाता। ऐसे ही अविस्मरणीय दिनों को त्योहारों अथवा पर्वों के रूप में मनाया जाता है। विशेषतः भारत पर्वों के सम्बन्ध में सर्वाधिक समृद्ध देश है। पर्व भारतीय संस्कृति के प्राण हैं। जीवनाधार एवं पोषक हैं। क्योंकि भारतीय पर्वों में वह ऊर्जा है, जो संस्कार विहीन होती मानव-जाति को पुनः अनुप्राणित करने की क्षमता रखती है।

इन सांस्कृतिक पर्वों की श्रृंखला में मुकुटमणि स्थान पर है कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला- 'दीपावली पर्व'। इस पर्व का नाम ही इसकी उज्ज्वलता एवं ज्योतिर्मयता को प्रकट करता है। 'दीप' अर्थात दीया या दीपक। 'अवली' अर्थात पंक्ति। माने दीयों की पंक्ति। इस पर्व पर जगमगाती दीपमालिकाएँ एक ही सन्देश देती हैं अपने आंतरिक तमस को दूर करो। टिमटिमाते दीये हमसे कहते हैं कि अंतर्मन में, चाहे कैसी भी घोर अमावस्या क्यों न हो, प्रभु-ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित कर लो और हमारे समान प्रकाशित हो उठो।

अतः यह पर्व कोई वैभव-प्रदर्शन का उत्सव नहीं। भव्य संदेशों का वाहक है। यदि दीपावली मनाने के सर्वाधिक प्रचलित कारण पर गौर करें, तो हम पाएँगे कि यह प्रमुखतः श्री राम-सीता के अयोध्या में पुनरागमन का उल्लास पर्व है। त्रेता युग का यह सम्पूर्ण घटनाक्रम अपने भीतर एक अलौकिक सन्देश लिए हुए है। अध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार सीता आत्मा का प्रतीक है। वह मन रूपी रावण की देह रूपी लंका में कैद है। मन में व्याप्त वासनाएँ व विकार आसुरी शक्तियों के प्रतीक हैं। ये तरह-तरह की यातनाएँ व प्रलोभन देकर आत्मा को निरंतर पीड़ित कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, ऐसे में श्री हनुमान रामदूत बनकर अशोक वाटिका में उनके पास पहुँचे। हरण के समय, सीता जी रावण का साधु वेश देखकर एक बार धोखा खा चुकी थीं। इसलिए इस बार उन्होंने तत्क्षण ही हनुमान जी पर विश्वास नहीं किया। उनसे उनके रामदूत होने का प्रमाण माँगा। हनुमान जी ने प्रमाण रूप में प्रभु श्री राम की मुद्रिका उनके सामने प्रस्तुत की। इस मुद्रिका में सीता जी ने प्रभु राम के साक्षात् दर्शन किए। दर्शनोपरांत ही उन्होंने हनुमान जी को प्रभु राम के दूत के रूप में स्वीकार किया। प्रभु के अलौकिक दर्शन ने निराश सीता जी में एक अटूट विश्वास का संचार कर दिया कि अब शीघ्र ही उन्हें प्रभु मिलन का आनंद प्राप्त होगा।

यही विश्वास, यही आश्वासन प्रत्येक युग में, प्रत्येक जीवात्मा अपने लिए चाहती है। रामदूत हनुमान प्रतीक हैं एक पूर्ण सतगुरु के। मन रूपी रावण के शासन से बंधन मुक्त होने के लिए हमारी आत्मा को भी ऐसे सतगुरु की नितांत आवश्यकता है।

यह कथा एक और महत्वपूर्ण तथ्य पर प्रकाश डालती है। वर्तमान समय में, स्थान-स्थान पर भगवा वेशधारी धर्म-प्रचारक नजर आते हैं। ऐसे में हर जिज्ञासु को, सीता जी की ही भांति, उनसे उनकी पूर्णता का प्रमाण मांगना होगा। जो पूर्ण गुरु होंगे, वे प्रमाणस्वरूप ब्रह्मज्ञान रूपी मुद्रिका प्रदान करेंगे। इस ज्ञान के माध्यम से शिष्य को उसके भीतर ही परमात्म-प्रकाश (श्री राम) के प्रत्यक्ष दर्शन करवा देंगे। वस्तुतः यही गुरु की सत्यता का प्रमाण है। फिर जैसे सीता जी अपनी मुक्ति के प्रति पूर्ण निश्चिन्त हो गई थीं, ऐसे ही सच्चे गुरु की रहनुमाई में एक शिष्य पूरी तरह निश्चिन्त हो जाता है। उनसे प्राप्त परमात्म-दर्शन के बाद वह भी पूरे विश्वास के साथ मुक्ति व प्रभु मिलन के पथ पर अग्रसर होता है और निःसंदेह मंजिल को प्राप्त करता है।

ये दिवाली मेड इन इंडिया वाली

बच्चो, इस दिवाली चीनी उत्पादों को बोलो "ना"

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिवाली सिर्फ रोशनी का त्योहार नहीं, आत्मनिर्भरता और गर्व का प्रतीक भी है। इस साल, आइए हम सब मिलकर ये संकल्प लें - "ये दिवाली, मेड इन इंडिया वाली।"

बच्चों, जब हम भारतीय उत्पाद खरीदते हैं,

तो हम सिर्फ चीजें नहीं लेते, हम अपने देश की मेहनत, हुनर और विश्वास को अपनाते हैं। हर स्वदेशी दिया, हर देशी सजावट, हर भारतीय लाइटें किसी न किसी भारतीय परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाती है।

चीनी वस्तुएँ सस्ती हो सकती हैं, लेकिन स्वदेशी उत्पादों में अपनेपन की गर्माहट और देशभक्ति की चमक होती है। आइए इस दिवाली अपने घर को नहीं, अपने देश को भी रौशन करें उन हाथों की मेहनत से, जो भारत को आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

चलो बच्चों, ये दिवाली खास बनाएँ स्वदेशी सजाएं, भारतीय उत्पाद अपनाएं।

क्योंकि सच्ची रौशनी वही है, जो अपने देश के लोगों के जीवन में उम्मीद जगाए।

इस बार दिल से कहो
"ये दिवाली, मेड इन इंडिया वाली!"

खुशियों वाली दिवाली, सुरक्षित रेल की सवारी! ट्रेन में पटाखे ले जाना है सख्त मना!

दिवाली पर ट्रेन में पटाखे और कोई भी जलने वाला सामान ले जाना गैर-कानूनी और खतरनाक है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- हवा में घुली त्योहार की महक, आँखों में अपनों से मिलने की चमक और दिलों में घर लौटने की बेताबी। दिवाली का असली उत्सव तो इसी सफर से शुरू होता है। उम्मीदों से भरी ये रेलगाड़ियाँ महज लोहे की पटरियों पर नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं के धागों पर चलती हैं। लेकिन इस खुशनुमा माहौल में एक अदृश्य दुश्मन भी छिपा है - हमारी अपनी लापरवाही।

भारतीय रेलवे ने सभी देशवासियों से हाथ जोड़कर अपील की है कि वे इस दिवाली पर अपनी और सैकड़ों सहयात्रियों की जिंदगी को दाँव पर न लगाएँ। ट्रेनें हमारा चलता-फिरता घर हैं और इस घर में 'आग' यानी किसी भी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ के लिए कोई जगह नहीं है।

पटाखों का शोर, कहीं बन न जाए खामोशी का शोर

अक्सर त्योहार के उत्साह में हम भूल जाते हैं कि हमारे बैग में रखे कुछ पटाखे, फुलझड़ियाँ या रॉकेट एक चलती ट्रेन में कितना बड़ा खतरा बन सकते हैं। बंद डिब्बे में जरा सी चिंगारी या दबाव एक भयानक हादसे को जन्म दे सकता है, जो

हँसते-खेलते परिवारों की जिंदगियों में हमेशा के लिए अँधेरा भर सकता है।

यह समझना होगा कि पटाखे, बारूद, केरोसिन, गैस सिलेंडर या कोई भी तेजी से आग पकड़ने वाली वस्तु ट्रेन में ले जाना केवल गैर-कानूनी ही नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक अपराध भी है। रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 164 के तहत ऐसा करना एक गंभीर जुर्म है, जिसमें तीन साल तक की सजा का प्रावधान है।

नन्हे यात्री बनें 'सुरक्षा के सितारे'!

प्यारे बच्चो, इस दिवाली आप सिर्फ दीये ही नहीं, बल्कि सुरक्षा की रोशनी भी फैलाएँ! अपने बड़ों को याद दिलाओ, ''पटाखे कहते हैं, 'हम ट्रेन में नहीं, घर के आँगन में अच्छे लगते हैं! आपकी एक 'ना' उस सफर को सुरक्षित बना सकती है, जो आपको आपके दादा-दादी और नाना-नानी से मिलाने ले जा रहा है।

आपकी सतर्कता, सबकी सुरक्षा

यह सिर्फ रेलवे की नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि आपको अपने डिब्बे में कोई लावारिस वस्तु या किसी के सामान से पटाखे की गंध आए, तो डरें नहीं। तुरंत टीटीई, रेलवे पुलिस (RPF) या हेल्पलाइन नंबर 139 पर इसकी सूचना दें। आपका एक फोन कॉल कई जिंदगियों को बचा सकता है।

आइए, इस दीपावली पर हम संकल्प लें कि हम रेल में बारूद नहीं, बल्कि सिर्फ स्नेह, उपहार और मीठी यादें लेकर जाएँगे। क्योंकि सावधानी ही सबसे बड़ा उत्सव है।

पाठकों की कलम से

स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत: सिर्फ सरकारी प्रयास या जन-भागीदारी की अनिवार्यता ?

अनिरुद्ध छाबड़ा, नई दिल्ली

इसमें कोई संदेह नहीं कि 'स्वच्छ भारत अभियान' ने देश में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत की है। इसी कड़ी में भारतीय रेलवे द्वारा देश भर के स्टेशनों और ट्रेनों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। यह देखना सराहनीय है कि सरकार और भारतीय रेल के बड़े-बड़े अधिकारी स्वयं आगे बढ़कर इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं और लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक कर रहे हैं। निश्चित रूप से, यह एक अच्छी पहल है जो एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत की नींव रखती है।

परन्तु, यहाँ एक महत्वपूर्ण एवं सोचने योग्य प्रश्न खड़ा होता है - क्या केवल सरकारी प्रयासों या अधिकारियों के जागरूकता अभियान चलाने से देश और हमारी रेल व्यवस्था पूरी तरह स्वच्छ हो जाएगी? क्या यह अभियान तब तक सफल हो सकता है, जब तक इसमें देश के आम नागरिक और विशेष रूप से ट्रेनों में यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपना सक्रिय योगदान नहीं देते? यदि हम जमीनी हकीकत देखें तो अक्सर स्टेशनों और ट्रेनों में गंदगी का मुख्य कारण यात्रियों द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही ही होती है।

यह कटु सत्य है कि जब तक देश का हर नागरिक और ट्रेन में यात्रा कर रहा हर यात्री अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक यह स्वच्छता अभियान एक औपचारिकता या एक 'मजाक' बना रहेगा। सरकार और रेलवे प्रशासन अपनी ओर से बेहतरीन प्रयास कर सकते हैं, वे आधुनिक सफाई उपकरण लगा सकते हैं, अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकते हैं, लेकिन यदि कोई यात्री चिप्स का पैकेट सीट के नीचे फेंक दे या पानी की बोतल प्लेटफॉर्म पर छोड़ जाए, तो कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता।

सफलता की कुंजी यात्रियों के छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। हमें यह समझना होगा कि यह देश हमारा है, यह रेल हमारी संपत्ति है, और इसे साफ रखना केवल सरकार का नहीं, बल्कि हमारा भी कर्तव्य है। यात्रियों को बस कुछ छोटे-छोटे संकल्प लेने हैं:

- कूड़े को कूड़ेदान में ही डालें।
- ट्रेन के शौचालयों का उपयोग जिम्मेदारी से करें और उन्हें साफ रखने में मदद करें।
- प्लेटफॉर्म और पटरियों पर गंदगी न फैलाएं।
- पान या गुटखा थूककर दीवारों और कोनों को गंदा न करें।

ये प्रयास भले ही छोटे लगें, लेकिन जब करोड़ों यात्री इन्हें अपनी आदत बना लेंगे, तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा। इन्हीं छोटे प्रयासों से हमारी भारतीय रेल स्वच्छ बनेगी, देश स्वच्छ होगा और एक स्वच्छ वातावरण में ही हम सभी निरोगी और स्वस्थ रहेंगे। स्वच्छता अभियान को एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता है, जिसकी सफलता प्रत्येक भारतीय के हाथ में है।

जो हर त्यौहार घर पहुँचाए, वो हमारी भारतीय रेल है।

रेल न थमी, बस चलती जाती,
सपनों की गठरी संग है लाती।
हर दिल में दीया जलाती,
दिवाली मनाने घर को ले जाती।
खिड़की से दिखते जगमग
गाँव-गलियारे,
जैसे जमीं पर उतर आए हों तारे।
अँधेरे को चीरती इसकी रौशनी की
धार,
लाती है घर-घर खुशियों का त्योहार।
इसकी सीटी में उत्सव का शोर है,
खींचती अपनों के रिश्तों की डोर है।
यह सिर्फ लोहा नहीं, भावनाओं का
मेल है,जो हर त्यौहार घर पहुँचाए,
वही भारतीय रेल है।

आकाश अवस्थी,
कक्षा 5, अम्बाला

प्रिय पाठकों,

आशा है आप सभी कुशल होंगे। आपको एवं आपके पूरे परिवार को रेल समाचार ब्यूरो की ओर से दीपावली की अनंत शुभकामनाएँ। यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और ढेर सारी खुशियाँ लेकर आए। इस वर्ष दीपावली के साथ-साथ हमारे लिए एक और खुशी का अवसर है। देखते ही देखते रेल समाचार ब्यूरो ने अपने गौरवशाली 35 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इन 35 वर्षों की यात्रा आप पाठकों के विश्वास और सम्मान के बिना अधूरी थी। जैसा कि आप भली-भाँति जानते हैं, रेल समाचार ब्यूरो की स्थापना का उद्देश्य केवल प्रामाणिक और विश्वसनीय समाचार बिना किसी मिर्च-मसाले के प्रस्तुत करना रहा है। हमारा ध्येय हमेशा से पाठकों और यात्रियों को रेलवे की नई नीतियों, कार्यों और सूचनाओं से अवगत कराना रहा है। यह सिलसिला पिछले 35 वर्षों से अनवरत चला आ रहा हैऔर हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में भी केवल प्रामाणिक और विश्वसनीय समाचारों से ही आपको सूचित किया जाएगा। यह हमारा आपसे वादा है। समय के साथ कदम मिलाते हुए रेल समाचार ब्यूरो डिजिटलीकरण की राह पर भी अग्रसर है। हमारा ई-पेपर और वेबसाइट पर हर दिन रेलवे की ताज़ा खबरें हमारी समर्पित टीम द्वारा अपडेट की जाती हैं, ताकि आपको हर जानकारी तुरंत मिल सके। हमारी टीम इस यात्रा को और आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।हम आशा करते हैं कि आपका प्यार और सहयोग हमें भविष्य में भी उसी तरह मिलता रहेगा,जैसा पिछले 35 वर्षों में प्राप्त हुआ है। आपके विश्वास से ही हमारी पहचान है।

पुनः दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
प्रधान संपादक, रेल समाचार ब्यूरो

''अपने विचार अथवा स्वरचित कविताएँ प्रकाशित करवाने हेतु, pr@railsamacharbureauald.com पर ईमेल करें।''

Scanned with OKEN Scanner

अपडेटेड खबरें पाएं सिर्फ www.railsamacharbureauald.com

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट समन्वय) का आरेडिका एवं फ़ोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट में दौरा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एवं फ़ोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट रायबरेली में दिनांक- 29.09.2025 को रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट समन्वय) शैलेन्द्र सिंह ने दौरा किया। श्री शैलेन्द्र ने कोच एवं फ़ोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन के संबंध में आरेडिका के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के द्वारा किये गये रिकॉर्ड उत्पादन के लिए बधाई दी।

कार्यकारी निदेशक ने शेल शॉप, बोगी शॉप, व्हील शॉप एवं फर्निशिंग शॉप आदि का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान कोचों की वेल्डिंग की गुणवत्ता, साइडवाल, लेजर कटिंग मशीन, कोच रूफ वेल्डिंग, आदि को बारीकी से समझा तथा मशीनों की कार्य दक्षता का अवलोकन किया और इन मशीनों पर कार्यरत कर्मचारियों से मशीन की कार्यप्रणाली के संबंध में बातचीत की। उन्होंने फिनिशिंग शॉप के दौरे के दौरान सामान्य यात्रियों के सफर के लिए बनने वाले दीनदयालु (कोच), स्लीपर कोचों को देखा।

आगे इसी क्रम में फ़ोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का दौरा किया। फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढ़ाने एवं प्लाण्ट की अवसंरचना के विकास के संबंध में उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

मीटिंग में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने वैश्विक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आरेडिका को आगे कोच निर्माण करने पर जोर दिया, साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय रेल अपने उत्पादों को विश्व बाजार में भी उतारने के लिए तैयार है तथा आप लोग आने वाले समय में मेट्रो के कोचों के साथ साथ विभिन्न गेज के कोच बनाने के लिए प्रयास करें।

इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई श्री विवेक खरे, पीसीएमएम राकेश राज पुरोहित, पीसीईई मनोज जिंदल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी फ़ोर्ज्ड व्हील प्लांट रवीश कुमार, पीसीई सत्य प्रकाश यादव, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी अकमल वदूद, पीसीपीओ रूपेश श्रीवास्तव, पीसीएमओ आभा जैन, सहित एमसीएफ एवं फोर्ज्ड व्हील प्लांट के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

28 अक्तूबर तक नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार और गाजियाबाद स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिवाली और छठ पूजा के चलते भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने 28 अक्तूबर तक पांच स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से रोक दी है। यह निर्णय नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार और गाजियाबाद स्टेशनों पर लागू होगा।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर ने बताया कि स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

रेलवे का कहना है कि इस निर्णय से प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ में कमी आएगी, जिससे यात्रियों की आवाजाही आसान होगी और ट्रेन संचालन में भी सुविधा बनी रहेगी। सुरक्षा बलों को भी भीड़ प्रबंधन में मदद मिलेगी।

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने किया अलीगढ़-दादरी खंड का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री नरेश पाल सिंह ने अलीगढ़ दादरी खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम महाप्रबंधक महोदय ने अलीगढ़ स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं के उन्नयन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा प्लेटफॉर्मों की स्वच्छता, एनाउंसमेंट की गुणवत्ता एवं स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया।

अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन, मो. मुबश्शिर वारिस ने अलीगढ़ स्टेशन के विकास की दिशा में प्रस्तावित कार्यों एवं योजनाओं की रूपरेखा से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया। इसके पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने निरीक्षण विशेष यान से अलीगढ़ दादरी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि यह भारतीय रेल में एक विशेष प्रकार का निरीक्षण है जिसमें चलती ट्रेन से निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक, सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म एवं समपार फाटकों की स्थिति का अवलोकन किया जाता है।निरीक्षण के दौरान ट्रैक की सवारी गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (TGI), प्वाइंट एवं क्रॉसिंग की स्थिति, ओएचई उपकरणों की कार्यशीलता तथा मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की स्वच्छता एवं रखरखाव की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई।

डीआरडीओ ने किया अग्नि-प्राइम का सफल रेल लांच

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और कदम

रेल आधारित मोबाइल लांचर प्रणाली से हुआ यह परीक्षण, भारतीय रक्षा प्रणाली में लचीलापन और विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- डीआरडीओ ने सामरिक बल कमान (एसएफसी) के सहयोग से 24 सितंबर 2025 को पूर्ण परिचालन परिदृश्य के अंतर्गत रेल आधारित मोबाइल लांचर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है। 2000 किलोमीटर तक की दूरी तक मार करने के लिए डिजाइन की गई अगली पीढ़ी की यह मिसाइल विभिन्न उन्नत सुविधाओं से लैस है।

अपनी तरह के इस पहले प्रक्षेपण को विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया और यह रेल नेटवर्क से बिना किसी बाधा के प्रक्षेपित की जा सकती है। यह मिसाइल देश भर में गतिशीलता प्रदान करने के साथ-साथ कम दृश्यता के साथ-साथ कम प्रतिक्रिया समय में भी प्रक्षेपण करने की क्षमता रखती है। यह आत्मनिर्भर है और अत्याधुनिक संचार प्रणालियों और सुरक्षा तंत्रों सहित सभी स्वतंत्र प्रक्षेपण क्षमता सुविधाओं से सुसज्जित है।

मिसाइल के प्रक्षेप पथ की विभिन्न ग्राउंड स्टेशनों से निगरानी की गई और इस प्रक्षेपण ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। इस सफल प्रक्षेपण से भविष्य में रेल आधारित प्रणालियों को सेवाओं में शामिल करना संभव होगा। इस अवसर पर डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और सामरिक बल कमान के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सड़क मोबाइल अग्नि-पी को सफल उड़ान परीक्षणों की एक श्रृंखला के बाद पहले ही सेवा में शामिल कर लिया गया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, एसएफसी और सशस्त्र बलों को बधाई देते हुए कहा कि इस उड़ान परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है, जिन्होंने रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड प्रक्षेपण प्रणाली विकसित की है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष ने इस उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागी दलों की सराहना की है।

यात्री भीड़ के प्रबंधन हेतु महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे ने वॉर रूम का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की प्रत्याशित भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने एक उच्च-स्तरीय निरीक्षण किया। उन्होंने गोरखपुर एवं बनारस स्टेशन पर स्थापित किए गए विशेष 'वॉर रूम' के साथ-साथ गोरखपुर स्थित केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष में बने वॉर रूम का भी गहन जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा, और ट्रेनों के समयबद्ध परिचालन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वॉर रूम का उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच तत्काल समन्वय स्थापित करना है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके और यात्रियों को रियल-टाइम सहायता प्रदान की जा सके।

श्री बोरवणकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्लेटफार्मों, फुट-ओवर ब्रिजों और प्रतीक्षालयों में भीड़ पर निरंतर निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त आरपीएफ एवं जीआरपी जवानों की तैनाती सुनिश्चित की जाए और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए।

संरक्षा आयुक्त (रलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता द्वारा के अररिया-सुपौल नई रेल लाइन निरिक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री सुमित सिंघल संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता द्वारा दिनांक 27.09.2025 को समस्तीपुर मंडल के अररिया-सुपौल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत लगभग 9 किमी लंबे नवनिर्मित अमहा पिपरा त्रिवेणीगंज रेलखंड का निरीक्षण किया गया । इस दौरान संरक्षा आयुक्त द्वारा अमहा पिपरा से त्रिवेणीगंज तक मोटर ट्रॉली से नवनिर्मित लाइन, पुल-पुलिया, ओएचई तथा स्टेशन भवन, पैनलरूम, रिले रूम एवं आईपीएस रूम का निरीक्षण किया गया। साथ ही संरक्षा आयुक्त (रेलवे) द्वारा विशेष ट्रेन से त्रिवेणीगंज से अमहा पिपरा के मध्य सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल भी किया गया। इस अवसर पर समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री ज्योति प्रकाश मिश्रा सहित निर्माण विभाग तथा समस्तीपुर के उच्चाधिकारीगण भी उपस्थित थे ।

विदित हो कि लगभग 95 किलोमीटर लंबे अररिया सुपौल नई रेल परियोजना का कार्य कई चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में मार्च, 2025 में 22 किमी लंबे सुपौल-अमहा पिपरा रेलखंड का कार्य पूर्ण किया गया था तथा दूसरे

रेल की हर अपडेट अब आपके मोबाइल पर
बस स्कैन करें यह कोड

रेल समाचार ब्यूरो
की वेबसाइट पर खबरें पढ़ने के लिए अभी स्कैन करें

जकार्ता में डब्ल्यूएचओ की हर्बल औषधि बैठक में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 16वीं अंतर्राष्ट्रीय हर्बल औषधि नियामक सहयोग (IRCH) की वार्षिक बैठक 14-16 अक्टूबर 2025 को जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हर्बल दवाओं के विनियमन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना था।

भारत ने इस बैठक में उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसमें डॉ. रघु अरक्कल, सलाहकार (आयुर्वेद) और उप महानिदेशक (प्रभारी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सक्रिया भागीदारी की। इस प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित तकनीकी सत्रों में प्रमुख भूमिका निभाई।

डॉ. रघु अरकल ने ''हर्बल औषधियों की प्रभावकारिता और इच्छित उपयोग (कार्य समूह-3)'' पर कार्यशाला रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पारंपरिक चिकित्सा में भारत के विकसित होते विनियामक ढाँचे और साक्ष्य-आधारित नीतिगत पहलों पर प्रकाश डाला गया।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फार्माकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) के निदेशक डॉ. रमन मोहन सिंह ने ''हर्बल औषधियों की सुरक्षा और विनियमन (कार्य समूह-1)'' पर कार्यशाला रिपोर्ट प्रस्तुत की और ''हर्बल औषधियों की सुरक्षा और विनियमन - भारतीय परिप्रेक्ष्य'' पर एक अलग प्रस्तुति भी दी।

दोनों कार्यशालाएँ विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा पीसीआईएम एंडएच के सहयोग से उनकी मेजबानी की गई थी। ये कार्यशालाएँ 6 से 8 अगस्त 2025 तक गाजियाबाद में आयोजित की गई और विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईआरसीएच बैठक के लिए प्रमुख प्रारंभिक जानकारी के रूप में कार्य किया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आयुष क्षेत्र में बीमा एकीकरण और अनुसंधान के लिए सहयोग मजबूत किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आयुष चिकित्सा प्रणालियों को व्यापक बीमा कवरेज के दायरे में लाने और इसे मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए एआईआईए के निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने आयुष मंत्रालय के बीमा विशेषज्ञों के प्रमुख समूह के अध्यक्ष प्रो. बेजोन कुमार मिश्रा के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की।

बैठक का मुख्य केंद्रबिंदु आयुष क्षेत्र में बीमा कवरेज का विस्तार करने और संबंधित नीतिगत पहलों को गति देने पर रहा, ताकि पारंपरिक चिकित्सा की पहुँच आम लोगों तक सुलभ हो सके। यह कदम हाल ही में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव द्वारा एआईआईए में आयुष बीमा से संबंधित मामलों के लिए स्थापित 'परियोजना प्रबंधन इकाई' (पीएमयू) के उद्घाटन के बाद उठाया गया है।

इस अवसर पर चर्चा के दौरान, प्रो. प्रजापति ने जोर देकर कहा कि यह पीएमयू सभी हितधारकों के लिए एक समयबद्ध और पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित करेगा, जिससे बीमा योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन हो सकेगा। उन्होंने आश्वासन दिया, ''एआईआईए, आयुष बीमा योजनाओं की जानकारी और उसके लाभों को जनता तक आसानी से पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।''

इसके अतिरिक्त, आयुर्वेद में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को मजबूत करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा, ''एआईआईए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ने वाले सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि अनुसंधान साझेदारी और बीमा समावेशन जैसे नीतिगत ढाँचों को मजबूत करने से आयुष प्रणालियों की पहुंच और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।''

डिजिटल संग्रह से कहीं अधिक, 'द्रव्य' भारत की ज्ञान परंपरा का जीवंत अवतार है: केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

सूत्र/रे.स.ब्यू- पारंपरिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित एकीकरण और डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आयुष मंत्रालय ने 23 सितंबर को गोवा में आयोजित 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह के दौरान इस पोर्टल का अनावरण किया। इस अवसर पर गोवा के राज्यपाल श्री अशोक गजपति राजू, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक और आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी उपस्थित थे। यह पहल आयुष औषधीय पदार्थों पर प्रामाणिक और शोध-समर्थित जानकारी तक वैश्विक पहुंच के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

द्रव्य पोर्टल एक व्यापक, मुक्त-पहुंच डेटाबेस के रूप में कार्य करता है जो शास्त्रीय आयुर्वेदिक ग्रंथों और मानक ऑनलाइन शोध प्लेटफार्मों से डेटा को गतिशील रूप से समेकित करता है। एक सहज उपयोगकर्ता इंटरफेस के साथ डिजाइन किया गया यह पोर्टल उपयोगकर्ताओं को आयुष प्रणालियों में प्रयुक्त औषधीय पदार्थों की खोज करने और आयुर्वेदिक औषध चिकित्सा, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, फार्मेसी, औषध विज्ञान और सुरक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाता है।

सीसीआरएएस का एआई-आधारित पोर्टल आयुष पदार्थों पर शास्त्रीय और आधुनिक अनुसंधान को डिजिटल और एकीकृत करेगा जिससे अंतर-विषयक नवाचार को बढ़ावा मिलेगा

केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने इस पहल के बारे में बोलते हुए कहा कि द्रव्य एक डिजिटल संग्रह से कहीं अधिक है। यह समकालीन रूप में भारत की ज्ञान परंपरा का जीवंत अवतार है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर, हम वैश्विक सहयोग और नवाचार के लिए आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों के वैज्ञानिक आधार को मजबूत कर रहे हैं।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि द्रव्य, आयुष ज्ञान को वैज्ञानिक दृढ़ता और वैश्विक पहुंच के साथ डिजिटल युग में लाने के सरकार के दृष्टिकोण का एक उदाहरण है। शास्त्रीय संदर्भों को समकालीन शोध के साथ एकीकृत करके, यह मंच न केवल वैज्ञानिक समुदाय को सशक्त बनाएगा बल्कि दुनिया भर के नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के लिए एक विश्वसनीय, प्रौद्योगिकी-संचालित संसाधन के रूप में भी काम करेगा।

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के महानिदेशक प्रो. रविनारायण आचार्य ने कि यह मंच शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। यह अंतर-विषयक अनुसंधान को सक्षम बनाएगा, औषधीय सामंजस्य को बढ़ावा देगा और आयुष औषधियों के साक्ष्य-आधारित सत्यापन को बढ़ाएगा।

अपने मॉड्यूलर डिजाइन और विस्तार की क्षमता के साथ, 'द्रव्य' पारंपरिक चिकित्सा के विशाल भंडार को आधुनिक वैज्ञानिक समझ के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। प्रामाणिक आयुष ज्ञान को सुलभ, खोज योग्य और वैश्विक रूप से प्रासंगिक बनाने की दिशा में यह एक बड़ी उपलब्धि है।

आयुष मंत्रालय ने गांधी जयंती के अवसर पर आयुष भवन से आईएनए मेट्रो स्टेशन तक 'स्वच्छोत्सव' यात्रा के साथ 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान का समापन किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने गांधी जयंती के अवसर पर एक विशेष 'स्वच्छोत्सव' यात्रा के साथ 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान का समापन किया। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा के नेतृत्व में यह मार्च आयुष भवन से शुरू होकर आईएनए मेट्रो स्टेशन पर समाप्त हुआ, जो स्वच्छ भारत की दिशा में सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में, महात्मा गांधी जी के स्वच्छता और निस्वार्थ सेवा के शाश्वत दृष्टिकोण के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई।

समापन समारोह के एक भाग के रूप में, पखवाड़े भर चले अभियान के दौरान सफाई मित्रों के अमूल्य योगदान एवं समर्पित सेवा को स्वीकार करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया और कम्बल भेंट किए गए।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा जलशक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "स्वच्छता ही सेवा 2025" पहल, आयुष मंत्रालय में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाई गई। इस पखवाड़े में 25 सितंबर को "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" अभियान के तहत कार्यालय परिसरों, बेसमेंट, पार्किंग क्षेत्रों और लॉन में लक्षित स्वच्छता अभियान तथा 27 सितंबर को एआईआईए में सफाई मित्रों के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच और स्वच्छता एवं अपशिष्ट निपटान के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु स्ट्रीट फूड विक्रेताओं से संपर्क शामिल था।

स्वच्छता को सभी के समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण से जोड़ते हुए, आयुष मंत्रालय ने गांधीजी द्वारा परिकल्पित स्वच्छता आंदोलन को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद और मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी ने जैव सुरक्षा प्रशिक्षण और अनुसंधान की साझेदारी के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (एमएएचई), मणिपाल की घटक इकाई, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोल जी (एमआईवी) के सहयोग से 6 से 10 अक्टूबर, 2025 तक एमएएचई परिसर, मणिपाल, कर्नाटक में "जैव सुरक्षा और प्रकोप सिमुलेशन प्रशिक्षण 2025" शीर्षक पांच दिवसीय आवासीय कार्यशाला की है।

विशेष जैव सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए 14 राज्यों के 30 सीसीआरएच वैज्ञानिकों का चयन

यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सीसीआरएच के अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत सटीक रूप से तैयार किया गया है। इस क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य तैयारियों, जैव सुरक्षा प्रथाओं और रोगों के प्रकोप की स्थिति में प्रतिक्रिया की क्षमताओं को बढ़ाना है जिससे आयुष मंत्रालय के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य संबंधी पहलों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

सीसीआरएच के अनुसंधान वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण के इस अवसर ने भारत के 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सीसीआरएच के 33 संस्थानों/इकाइयों की व्यापक भागीदारी के साथ बड़े स्तर पर रुचि पैदा की है। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोल जी की ओर से किए गए गहन ऑनलाइन मूल्यांकन के बाद इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 30 प्रतिभाशाली अनुसंधान वैज्ञानिकों का चयन किया गया। एमआईवी के निदेशक डॉ. चिरंजय मुखोपाध्याय ने कार्यशाला में सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों, विषय विशेषज्ञों और प्रशिक्षुओं का स्वागत किया।

सीसीआरएच के महा-निदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में सामर्थ्यवान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण और अनुसंधान वैज्ञानिकों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उभरते संकटों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के उद्देश्य से सीसीआरएच और एमएएचई के बीच सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संक्रामक रोगों और वैश्विक महामारियों से निपटने में होम्योपैथी की क्षमता का उल्लेख किया।

इस दौरान, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में उपयोगी सहयोग को सुगम बनाने के लिए सीसीआरएच और एमएएचई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक और एमएएचई के रजिस्ट्रार डॉ. पी. गिरिधर किनी ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

Scanned with OKEN Scanner

Strong Margins, Diversification Drive IRFC's ₹1,777 Crore Quarterly Profit

Source/RSB - The Indian Railway Finance Corporation (IRFC) posted a 10% year-on-year rise in its second-quarter profit for FY26, reaching ₹1,777 crore. This growth comes despite a 7.6% drop in revenue to ₹6,372 crore, showcasing the company's resilience and operational strength.

In a major announcement for shareholders, IRFC declared a record interim dividend of ₹1.05 per share, underscoring its commitment to delivering strong investor returns. The company's Assets Under Management (AUM) also grew significantly, touching ₹4.62 lakh crore, supported by diversification beyond traditional railway projects and robust net interest margins.

RVNL Secures ₹40.41 Crore Signalling and Telecom Maintenance Deal in Ahmedabad Division"

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) has been awarded a significant signalling & telecommunication (S&T) maintenance contract by Western Railway, aimed at ensuring the smooth functioning of critical railway communication and control systems in the Ahmedabad Division. Valued at ₹40.41 crore, the contract encompasses the round-the-clock deployment of skilled manpower dedicated to the maintenance, repair, and overall upkeep of Western Railway's S&T infra-structure. The agreement will be executed over a 24-month period, reflecting RVNL's expanding role in operational support & technical maintenance services within the Indian Railways network.

RITES Signs MoU with Etihad Rail to Strengthen Bilateral Cooperation in Mobility and Infrastructure Development

Source/RSB - RITES Limited, India's leading transport infrastructure consultancy and engineering firm, has signed a memorandum of understanding with Etihad Rail to strengthen business collaboration in the mobility sector across the UAE and international markets. The agreement was formalized at the Global Rail Transport Infrastructure Exhibition and Conference in Abu Dhabi from September 30 to October 2, 2025.

The MoU was signed by Shadi Malak, CEO of Etihad Rail, and Rahul Mithal, Chairman and Managing Director of RITES Limited, in the presence of Sheikh Theyab Bin Mohammed Bin Zayed Al-Nahyan Chairman of Etihad Rail and Sunjay Sudhir, Ambassador of India to the UAE. Under this partnership, RITES will collaborate with National Infrastructure Construction Company (NICC) LLC, a its subsidiary of Etihad Rail , to explore business opportunities in the region and beyond.

Military Delegations From UN Troop Contributing Countries Take a Ride on the Delhi Metro

Source/RSB-Military delegations from the United Nations Troop Contributing countries who are in New Delhi for a conclave took a ride on the Delhi Metro from Central Secretariat to Lal Quila on the violet line. The delegations comprised top military officers from 32 UN troop contributing nations from across the world.

The Chief of Army Staff, General Upendra Dwivedi was also present during the Metro train ride.

DMRC's Managing Director, Dr. Vikas Kumar, welcomed the officers and briefed them about the Delhi Metro project. A commemorative souvenir was also presented to General Dwivedi by Dr. Kumar on the occasion. The Chief of Army Staff also presented a memento to DMRC's Managing Director. The visiting officers appreciated the efficiency with which the Delhi Metro project has been planned and implemented. The delegation has senior Army officers from many countries such as Australia, Italy, France, Brazil etc. along with representatives from the UN.

Scanned with OKEN Scanner

India on Fast Track to Capture 7–8% of Global Railway Business Worth $360 Billion

Source/RSB- India's railway equipment industry is gearing up to secure nearly 7–8% of the $360 billion global railway market by 2025–26. This growth will be powered by large-scale domestic modernization and a strong surge in exports. At present, India exports rolling stock, safety systems, and steel castings to over 20 international projects spread across 13 countries. The increasing demand for technologically advanced Vande Bharat trains and next-generation railway electronics is expected to further accelerate India's presence in the global rail ecosystem. Industry experts believe that India's focus on innovation, indigenous manufacturing, & international collaboration will position the nation as a key global hub for railway technology and infrastructure in the coming years.

Airtel Business to Safeguard Railways' Digital Backbone Under New Deal

Source/RSB- Indian Railways has inked a multi-year partnership with Airtel Business to enhance its cyber-security infrastructure and protect its digital assets. The contract, awarded by the Indian Railway Security Operations Centre (IRSOC), aims to fortify the expansive digital network that powers the nation's rail system. Under this agreement, Airtel Business will implement multilayer security mechanisms to safeguard the massive data ecosystem of Indian Railways. The initiative includes advanced monitoring, real-time threat detection, and protection for end-to-end digital operations across the railway network.

Railway Minister Issues Stern Warning to Low-Quality Material Suppliers

Source/RSB - In a recent statement, Railway Minister Sh. Ashwini Vaishnaw made it clear that the Indian Railways would show "absolutely no mercy" toward suppliers providing low-quality materials for railway projects. He emphasized the need for strict adherence to quality standards, urging the industry to overhaul its practices in manufacturing, material selection, procurement, and quality control.

Vaishnaw's warning comes at a critical time as the Indian government plans to ramp up its railway infrastructure, including the development of high-speed passenger corridors.

New Railway Feature to Let Passengers Reschedule Confirmed Tickets Online

Source/RSB- In a major passenger-friendly move, Indian Railways will soon introduce an online option allowing travelers to change the dates of their confirmed tickets. The new system, expected to be launched in January, was announced by Union Minister for Railways Ashwini Vaishnaw. Under the upcoming feature, passengers will be able to modify their travel date through the official booking platform without having to cancel and rebook tickets. However, confirmation for the new date will depend on seat availability, and any difference in fare will need to be paid by the passenger. Currently, travelers who wish to change their journey dates are required to cancel existing tickets & purchase new ones, often leading to additional charges. The new mechanism is designed to make travel planning more flexible & reduce the inconvenience faced by passengers.

Indian Railways Plans Sleeper Vande Bharat Between Lucknow and Mumbai

Source/RSB - Indian Railways is planning to introduce Sleeper Vande Bharat Express services between Lucknow and Mumbai, marking a major leap in long-distance rail travel. According to official sources, the high-speed train will significantly reduce journey time between the two cities-from approximately 22 hours to just 12 hours. While an official announcement is still awaited, reports suggest that the trial run for the sleeper version of the Vande Bharat Express may commence shortly. The upcoming train is part of Indian Railways' ongoing modernization plan to enhance comfort, speed, and efficiency in intercity travel. With fully air-conditioned sleeper coaches, modern interiors, and advanced safety systems, the service aims to redefine the experience of overnight train journeys in India.

Gurugram's Metro Network Set for Boost with New 1.8 km Extension

Source/RSB - A new 1.8-kilometre metro spur line connecting Sector 5 to Gurugram Railway Station has been proposed to strengthen the city's transport network. The project, estimated to cost ₹450 crore, has been finalised and will soon be taken up for consideration by Gurugram Metro Rail Limited (GMRL). Once approved, the extension will improve last-mile connectivity between the metro and railway systems, offering smoother travel for daily commuters and visitors alike. Officials believe the link will significantly boost ridership and enhance overall public transport efficiency in the city. The project aligns with Gurugram's broader plan to expand sustainable urban mobility and reduce congestion across key transit corridors.

High Demand for Mizoram's First Rajdhani Express; Occupancy Crosses 160%"

Source/RSB - Mizoram's first-ever Rajdhani Express, connecting Sairang to Delhi's Anand Vihar Terminal, has received an overwhelming response from passengers, registering an occupancy rate of over 155% in its initial runs. The Sairang–Delhi service recorded 162.5% occupancy, while the Delhi–Sairang return journey saw 158.3%, reflecting massive enthusiasm among travelers. The train service, inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on September 13, officially linked Mizoram to India's premier Rajdhani network, strengthening the state's railway connectivity with the national capital. The response underscores growing passenger confidence in Indian Railways' enhanced services across the Northeast.

India to Build Its Largest Railway Station Near AMARAVATI

Source/RSB - Indian Railways is set to construct the country's largest railway station near Amaravati in Andhra Pradesh. The ambitious project will feature 24 platforms, four terminals, and will have a daily capacity to handle 300,000 passengers. With an estimated investment of ₹2,245 crore, this development aims to significantly enhance connectivity between major cities and foster regional economic growth. The new station will be designed to accommodate high traffic & improve the overall travel experience for passengers. The project is poised to contribute to the economic upliftment of the region by stimulating trade & tourism, providing an essential boost to infrastructure.

Scanned with OKEN Scanner

Future-Ready Railways' IREE 2025 Showcases India's High-Speed Ambitions

'Railways Plan to Develop 7,000 km of Dedicated Passenger Corridors by 2047 Under Viksit Bharat Vision, Designed for Speeds Up to 350 kmph Ashwini Vaishnaw

The RVNL stall at IREE

NHSRCL stall at IREE

Chittaranjan Locomotive Works (CLW)

Rail Coach Factory, Kapurthala stall at IREE

Source/RSB - Shri Ashwini Vaishnaw, Union Minister for Railways, Information & Broadcasting, and Electronics & Information Technology inaugurated the 16th International Railway Equipment Exhibition-2025, Asia's largest and the world's second-largest railway exhibition at Bharat Mandapam in New Delhi.

He announced plans to develop dedicated passenger corridors, engineered for maximum speeds of up to 350 kmph with an operating speed of 320 kmph. He said that many such corridors will be constructed across the country, forming part of the Government's Viksit Bharat vision, which targets the development of around 7,000 km of dedicated routes by 2047. These corridors will be equipped with indigenously developed signalling systems and modern Operations Control Centres (OCCs).

The Minister said that Vande Bharat is a huge success.On technical parameters, it matches with the best in the world. India is working on the next generation of high-speed trains, with a strong focus on the export market. He stated that India is currently operating Vande Bharat 3.0, which represents a significant improvement over its earlier versions. The Minister highlighted that Vande Bharat 3.0 already meets international benchmarks, capable of accelerating from 0 to 100 kmph in just 52 seconds—faster than many trains in Japan and Europe—while maintaining lower noise and vibration levels. He added that Vande Bharat 4.0 is expected to be launched within the next 18 months, aiming to set global benchmarks in every aspect of performance and passenger experience. The new version will focus on enhancing toilets, improving seats, and elevating the overall workmanship of the coaches. He said the goal is to establish Vande Bharat 4.0 as the global standard, a train so advanced in quality and comfort that countries around the world would aspire to adopt it.

He also discussed the progress of Amrit Bharat trains. He noted that Amrit Bharat 2.0 is operational, while version 3.0 is under development based on push-pull technology—suitable for long-distance journeys. The Minister stated that Amrit Bharat 4.0 will feature next-generation trainsets and locomotives. He added that within the next 36 months, the new-generation passenger locomotives are expected to be designed, manufactured, and ready for testing.

The Union Minister said that in the last 11 years, under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, special focus has been given to the modernization and expansion of Indian Railways. For this, the Railway budget has been continuously increased. In the last 11 years, more than 35,000 kilometres of new tracks have been laid and 46,000 kilometres of electrification has been completed. He informed that on the world stage, Indian Railways is now also emerging as a major exporter. Rail engines manufactured in India are being exported to Africa, Australia, and many other countries. He informed that 156 Vande Bharat services, 30 Amrit Bharat services, and 4 Namo Bharat services are now running across India. He stated that in the year 2024-25, a record more than 7,000 coaches, approximately 42,000 wagons, and 1,681 locomotives were produced. Along with this, the country's first 9,000 HP electric locomotive was inaugurated, while 12,000 HP locomo-tives are already in operation.

Shri Vaishnaw also said that Indian Railways, which serves more than 20 million passengers daily, has now become the world's second-largest network in freight transport, surpassing the US. He said the bullet train project is progressing rapidly and the Dedicated Freight Corridor work has been 99% completed. Under the Amrit Bharat Station Scheme, more than 1,300 railway stations across the country are being redeveloped.

Indian Railways has constructed several remarkable infrastructure projects, including the Chenab Bridge, 35 metres taller than the Eiffel Tower, India's first vertical lift Sea Bridge at Pamban, and the Bairabi Sairang bridge, 42 metres taller than Qutub Minar. Priority is being given to safety and technological innovation in railways. For this, a budget of ₹1.16 lakh crore has been allocated for the current financial year, which also includes the indigenous safety system KAVACH.

PLW at IREE 2025

RWF at IREE

BEML at IREE

MCF at IREE

ICF at IREE

ICF at IREE

CONCOR at IREE

MoS Railways Ravneet Singh Bittu Lauds Innovation & Self-Reliance at International Railway Equipment Exhibition

Source/RSB - Union Minister of State for Railways, Sh. Ravneet Singh Bittu visited the International Railway Equipment Exhibition (IREE), where he commended the remarkable progress and indigenous capabilities of the Indian railway manufacturing sector.

During his tour of the exhi-bition, the Minister inspected various stalls, interacted with industry leaders & exhibitors, & reviewed the latest advan-cements in railway tech-nology, from rolling stock to signaling and safety equipment.

Expressing his deep apprec-iation for the event, Sh. Bittu high-lighted the importance of such platforms in fostering inno-vation & strengthening the nation's goal of self-reliance in the critical railway sector. The exhibition serves as a key showcase for domestic and inter-national companies to present cuttingedge solutions that are set to shape the future of rail trans-port in the

Scanned with OKEN Scanner